>

Title: Alleged threat to wildlife and forest resources by mines project set up at Tadoba-Anhari Tigar Resrve in Maharashtra.

श्री विलास मुत्तेमवार (नागपुर) : माननीय अध्यक्ष महोदया, महाराष्ट्र के एक महत्वपूर्ण मामले को आपने मुझे उठाने की अनुमति दी, उसके लिए मैं आपके प्रति आभार व्यक्त करता हूं। गवर्नमेंट ऑफ महाराष्ट्र ने चन्द्रपुर जिले के ताड़ोबा-अन्धारी टाइगर रिजर्व फॉरेस्ट के संबंध में एक कमेटी स्थापित की थी। वहां कोल-माइन्स मंजूर हुई हैं। वहां कोल-माइन्स धारकों ने अपना काम करने का प्रयास शुरू किया, जिसके कारण कुछ कोल-माइन्स चालू हो गई हैं, लेकिन इससे वहां की वाइल्ड लाइफ आहत हो रही है। जो लोग वहां कोल-माइन्स के लिए आते हैं, उन्होंने इन बाघों को मारने यानी पोचिंग करने का भी प्रयास किया। जो कमेटी महाराष्ट्र गवर्नमेंट ने बनाई, उसके मैम्बरों ने अपने आपको कमेटी से डिस-एसोसिएट कर लिया और कुछ ने कमेटी से रिजाइन भी कर दिया। इसलिए कोल-माइन्स पर कोई निर्णय नहीं हो रहा है। यह मामला केवल चन्द्रपुर या ताड़ोबा-अंधारी प्रोजैक्ट का नहीं है। जहां-जहां भी हमारा वाइल्ड लाइफ है, वह दिन-ब-दिन कम हो रहा है और टाइगर या बाघ घटते जा रहे हैं।

महोदया, 1982 में हमारी भू.पू. प्रधान मंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी जी ने इस ओर ध्यान दिया था। एक जमाना था जब हमारे देश में 50-60 हजार बाघ हुआ करते थे और आज यह संख्या निरन्तर घट रही है। इसमें कोल-माइन्स का बहुत बड़ा हाथ है, क्योंकि कोल की अंडर ग्राउंड माइन्स जंगलों में होती हैं और

वहीं हमारा टाइगर रिजर्व भी है। इस संबंध में कोई एक ठोस पॉलिसी बनाने और इंटरवीन करने की जरूरत है। इस प्रकार की एक पॉलिसी बने कि किस प्रकार से खनन हो और जहां टाइगर रिजर्व हों उन जगहों को छोड़ दिया जाए। इस इश्यू को लेकर चन्द्रपुर जिले में, ताड़ोबा में पर्यावरण प्रेमी आन्दोलन कर रहे हैं। [RPM2]

मैं समझता हूं कि यह बहुत महत्वपूर्ण बात है, इस ओर आपका आदेश हो कि सरकार इस के ऊपर ध्यान दे।